जिनभाषित २००६ ०३ (फोल्डर नं. ०२४३०५)

सम्पादक – प्रो. रतनचन्द्र जैन

मुख्य टाइटल

बड़े बाबा से हाथ नहीं मिलाओ, हाथ जोड़ो, हस्तक्षेप नहीं, नतमस्तक हो जाओ – आचार्य श्री विद्यासागरजी

अनुक्रमणिका

संपादकीय – कुण्डलपुर में घटित ऐतिहासिक सुघटना ----------३
बड़े बाबा के मंदिर की जीर्णता – पं. नाथूलाल जी शास्त्री ---------- ४
कुण्डलपुर में बड़े बाबा के निर्माणाधीन मंदिर की यथार्थ स्थिति – वीरेश सेठ ---------- ६
जैन संस्कृति रक्षा मंच जैनत्व की चिंता क्यों नहीं कर पाया – निर्मल कुमार पाटोदी ---------- १०
चिंता पुरातत्त्व से बढऋकर पूरे तत्त्व की कीजिये – निर्मल कुमार पाटोदी ----------१२
श्रृंगार दुल्हन का – राह संन्यास की – जयकुमार जैन ---------- १५
सूतक एवं मरणसूतक – शास्त्रीय चर्चा – डॉ. श्रेयांसकुमार जैन ---------- १७
परम पूज्य गुरुदेव १०८ श्री समन्तभद्रजी महाराज – डॉ. ज्योति जैन ---------- २०
साहित्याचार्य जी की साहित्य-साधना – डॉ. राजेश जैन ---------- २२
फल, साग की सही प्रासुक विधि एवं सावधानियाँ – पं. राजकुमार जैन ---------- २३
योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा – डॉ. वंदना जैन ---------- २६
जिज्ञासा समाधान – पं. रतनलाल बैनाड़ा ---------- २८

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org